"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 अप्रैल–30 अप्रैल, 2026 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 10 | पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक

श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक

डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल

डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन

निलेश्वर पाण्डेय, दीपगोपाल मिश्र, निहारिका सिंह, हंसिका सहदेव, शिवांग चतुर्वेदी, गरिमा द्विवेदी, सुशील पाल, जिज्ञाशा तिवारी, अदिति पाठक।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

गुजरात ने देश को एकता और नेतृत्व की नई दिशा दीः कुलपति
अवध विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस पर निकली पदयात्रा

अयोध्या, 30 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा सुबह 6:30 बजे मुख्य परिसर स्थित प्रशासनिक भवन से नाका हनुमानगढ़ी तक निकाली गई तथा पुनः विश्वविद्यालय परिसर में आकर संपन्न हुई। इसमें शिक्षकों, अधिकारियों छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" के उद्घोष के साथ राष्ट्रीय एकता और "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" का संदेश दिया।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि गुजरात राज्य का गठन 1 मई 1960 को हुआ था और भारत के एकीकरण में गुजरात की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने देश को सरदार वल्लभभाई पटेल जैसा महान नेतृत्व दिया, जिनके प्रयासों से 562 रियासतों का भारत में विलय संभव हो सका। कुलपति ने कहा कि सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया, जिसे देश की एकता बनाए रखने का "स्टील फ्रेम" कहा जाता है। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण को सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि गुजरात ने देश को नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा दी है।

गुजरात स्थापना दिवस पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित पदयात्रा में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में तिरंगा लेकर सहभागिता करते शिक्षक, अधिकारी, छात्र–छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट्स।

इस अवसर पर प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सुरेंद्र, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. अनिल मिश्र, डॉ अनुराग पांडेय, इंजीनियर विनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं व एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

महिला स्वावलंबन से ही सशक्त भारत का निर्माण संभवः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह
महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित होगा समाजः कुलपति प्रो. पूनम टंडन
मिशन शक्ति–5 के तहत अवध विश्वविद्यालय में संगोष्ठी, पदयात्रा व सम्मान समारोह आयोजित

अयोध्या, 17 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में मिशन शक्ति–5 के अंतर्गत "महिला स्वावलंबन" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्य क्षता में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन रहीं।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि आज भारत वैश्विक पटल पर उभर रहा है, जिसमें नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि महिला सम्मान का अर्थ उनकी अस्मिता, पसंद और निर्णयों का आदर करना है। छात्राओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान, खेल, राजनीति और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही हैं तथा विश्वविद्यालय प्रशासन उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शीघ्र ही नवीन परिसर में छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा भी की।

अवध विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति–5 के अंतर्गत आयोजित "महिला स्वावलंबन" संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन एवं कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए।

मुख्य अतिथि प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरोध की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आईआईटी दिल्ली प्रो. तपन कुमार गांधी ने भी संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत डॉ .गीतिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति–5 के अंतर्गत गठित 11 सदस्यीय टीम एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा यादव ने किया।

कुलपति एवं मुख्य अतिथि ने पदयात्रा, नारी वंदन हस्ताक्षर अभियान तथा डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो हिमांशु शेखर सिंह, प्रो शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अनुज पटेल, प्रो. अनूप कुमार, प्रो फर्रुख जमाल, प्रो एस के रायजादा, प्रो. गंगाराम मिश्र, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, प्रो. शैलेंद्र कुमार डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. मनीष सिंह, सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"कोविदार"

01 अप्रैल–30 अप्रैल, 2026, वैशाख कृष्ण–त्रयोदशी विक्रम संवत्–2083

डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रासंगिकः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह

अवध विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

अयोध्या, 14 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर "डॉ. अंबेडकर नीति आख्यान एवं 21वीं सदी का भारत" विषयक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. मनमोहन कृष्ण रहे।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार राष्ट्र निर्माण और समावेशी अर्थव्यवस्था के संदर्भ में आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब संसाधनों पर सभी का समान अधिकार चाहते थे तथा जल प्रबंधन, श्रम सुधार और कृषि सुधारों के माध्यम से समतामूलक भारत की कल्पना करते थे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच "बंधुत्व" भारतीय समाज को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

अवध विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर जयंती पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं मुख्य अतिथि प्रो. मनमोहन कृष्ण ने संबोधित किया। उपस्थित शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं।

मुख्य अतिथि प्रो. मनमोहन कृष्ण ने कहा कि 21वीं सदी का भारत तभी सशक्त बनेगा, जब डॉ. अंबेडकर के विचारों को व्यवहार में उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि न्याय हर व्यक्ति के सम्मान और अवसरों में दिखाई देना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. नीलम पाठक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने दिया। इस अवसर पर प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. फर्रूख जामल, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. अशोक राय, प्रोद् गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

रील के जरिए संगीत नहीं सीखा जा सकताः डॉ. अमृता मिश्रा

अयोध्या, 14 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के संगीत एवं अभिनय कला विभाग में "सोशल मीडिया और संगीत शिक्षा" विषय पर एक दिवसीय गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संगीत शिक्षा पर सोशल मीडिया और एआई के प्रभाव पर विचार व्यक्त किए।

अवध विश्वविद्यालय में "सोशल मीडिया और संगीत शिक्षा" विषयक गोष्ठी में विचार व्यक्त करते वक्ता एवं उपस्थित छात्र–छात्राएं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि सोशल मीडिया विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देता है। प्रो. प्रिया कुमारी ने इसके सीमित और संतुलित उपयोग पर बल दिया। डॉ. अलका श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया एवं एआई के प्रभावों पर चर्चा की।

मुख्य वक्ता डॉ. अमृता मिश्रा ने कहा कि "रील के जरिए संगीत नहीं सीखा जा सकता, संगीत को ग्रहण किया जाता है।" प्रो. ज्योति मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया पहचान दिला सकता है, लेकिन संगीत गुरु से ही सीखा जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रचना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. सरिता द्विवेदी, डॉ. कविता पाठक सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

करियर निर्माण में व्यवहारिक कौशल जरूरी

अयोध्या, 11 अप्रैल, 2026 अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग में "करियर काउंसलिंग" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ब्रांच हेड चेतन जायसवाल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बैंकिंग, फिनटेक और डिजिटल भुगतान प्रणाली में उभरते अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शैक्षणिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक कौशल, संचार क्षमता और तकनीकी दक्षता भी आवश्यक है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच विकसित करने पर भी जोर दिया। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने करियर से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक समाधान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

मानसिक लचीलापन चुनौतियों से लड़ने की शक्ति देता हैः डॉ. मनदर्शन

अयोध्या, 13 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के उद्यमिता एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग में मेंटल हेल्थ विषयक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। अध्यक्षता प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने की। मुख्य वक्ता मनोप. रामर्शदाता डॉ. आलोक मनदर्शन ने कहा कि मानसिक लचीलापन व्यक्ति को चुनौतियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण नींद और सकारात्मक सोच को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो.. शैलेन्द्र वर्मा, डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, सहित शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

अवध विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 24 अप्रैल को

अयोध्या, 10 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय की सीईटी–2024 पीएचडी प्रवेश परीक्षा अब 24 अप्रैल 2026 को आयोजित होगी।

परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों पर संपन्न होगी, जिसमें 1600 से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। अभ्यर्थी 14 अप्रैल से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

"कोविदार"

01 अप्रैल–30 अप्रैल, 2026, वैशाख कृष्ण–त्रयोदशी विक्रम संवत्–2083

नैक मूल्यांकन और एनआईआरएफ रैंकिंग पर विशेष ध्यान दें: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों संग राज्यपाल ने की समीक्षा बैठक

अयोध्या, 7 अप्रैल, 2026। प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में जनभवन में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध अनुदानित एवं राजकीय महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालयों की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं गुणवत्ता संबंधी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान प्रधानाचार्यों ने अपने–अपने महाविद्यालयों की उपलब्धियों, समस्याओं एवं भविष्य की योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया। राज्यपाल ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नैक मूल्यांकन एवं एनआईआरएफ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के लिए योजनाबद्ध कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों को स्थानीय विद्यालयों एवं अभिभावकों से संवाद बढ़ाना चाहिए तथा संस्थानों की विशेषताओं एवं उपलब्धियों का व्यापक प्रचार–प्रसार करना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी नामांकन के लिए प्रेरित हों।

कुलाधिपति ने शिक्षकों की गुणवत्ता सुधार पर बल देते हुए कहा कि जिन शिक्षकों की पीएचडी पूर्ण नहीं हुई है, वे शीघ्र इसे पूरा करें। उन्होंने ई–कंटेंट लाइब्रेरी के प्रभावी उपयोग तथा शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। छात्र–छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक समय से कक्षाएं संचालित करें तथा अधिकारी महाविद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलो इंडिया, अग्निवीर एवं रोजगारपरक योजनाओं से जोड़ने और प्लेसमेंट गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

बैठक में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, सहित संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

जनभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि से संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को दिशा–निर्देश देतीं राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

अवध विश्वविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान

नारी सशक्तिकरण से मजबूत होगा लोकतंत्र: कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह

अयोध्या, 16 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार एवं जनभवन के निर्देश पर "नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023" विषयक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना तथा नए भारत के निर्माण में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को रेखांकित करना था।

बैठक के उपरांत कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर में वृहद हस्ताक्षर अभियान एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। कौटिल्य प्रशासनिक भवन एवं आईईटी परिसर में शिक्षकों, अधिकारियों और छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर सहभागिता करते हुए अधिनियम के समर्थन में संदेश दिया।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय जैसे उच्च शिक्षण संस्थान समाज में वैचारिक परिवर्तन के केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि "नारी शक्ति वंदन

अधिनियम–2023" केवल एक विधायी सुधार नहीं, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के दूरगामी परिणामों को जन–जन तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। "बेटी अच्छी तो परिवार अच्छा" संदेश के माध्यम से उन्होंने बेटियों के महत्व को भी रेखांकित किया।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार इस पहल का पूर्ण समर्थन करता है और यह अभियान महिलाओं के सम्मान एवं सहभागिता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस अवसर पर प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. एस. के. रायजादा, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, डॉ. अवध नारायन, डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. शशि सिंह, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाएं 5 मई से

अयोध्या, 21 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय ने सत्र 2025–26 की स्नातक एवं परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 5 मई से 5 जून 2026 तक तीन पालियों में आयोजित होंगी। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा नकल–विहीन परीक्षा के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। प्राचार्यों से अपेक्षा की गई है कि संस्थान के छात्र–छात्राओं को परीक्षा कार्यक्रम से सूचित करें।

पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी प्रासंगिकः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र
अवध विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

अयोध्या, 26 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा "सतत पर्यावरण प्रबंधनः भारतीय ज्ञान प्रणालियों, नीतिगत ढांचे और तकनीकी नवाचारों का एकीकरण" विषय पर 12 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की। मुख्य वक्ता प्रख्यात पर्यावरणविद् संजय स्वामी रहे।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने राजस्थान के जल संरक्षण मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का भाव निहित है। उन्होंने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में हमें ऐसी तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है, जो कार्बन फुटप्रिंट कम करें और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि यह एफडीपी प्राचीन ज्ञान और आधुनिक शोध का संगम है।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित विशेषज्ञ।

मुख्य वक्ता संजय स्वामी ने जल संरक्षण एवं वॉटर ऑडिट की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटी–छोटी आदतों में बदलाव से जल की बड़ी बचत संभव है। तकनीकी सत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के वैज्ञानिक डॉ. निमिष कपूर ने पर्यावरण संरक्षण को व्यक्तिगत व्यवहार से जोड़ते हुए "प्रकृति की ओर लौटने" का आह्वान किया।

कार्यक्रम का प्रारंभिक उद्बोधन डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने दिया, जबकि आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा यादव व डॉ. राकेश सिंह ने किया। कार्यक्रम में देशभर के शिक्षक एवं शोधार्थियों ने ऑनलाइन सहभागिता की।

सही निवेश भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का आधारः आशीष सिंह
अवध विश्वविद्यालय में पूंजी बाजार पर विशेष व्याख्यान आयोजित

अयोध्या, 26 अप्रैल 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग में "पूंजी बाजार में निवेश की

संभावनाएँ" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकगण ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्य वक्ता इंडसलैंड सिक्योरिटीज लिमिटेड, लखनऊ के ब्रांच हेड आशीष सिंह रहे।

उन्होंने शेयर, म्यूचुअल फंड, एसआईपी, आईपीओ, बॉन्ड एवं ईटीएफ जैसे निवेश विकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि सही रणनीति, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन के साथ आम व्यक्ति भी स्टॉक मार्केट में सफल निवेश कर सकता है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग ऐप्स के माध्यम से निवेश को आसान और सुलभ बताया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता आशीष सिंह तथा उनके साथ आए प्रतिभा सचान, नीरज कुमार, शरद रंजन, हिमांशु मोहन एवं निकिता का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

अंत में डॉ. राकेश कुमार ने सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डीटीपी कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सीखी फोटोशॉप की आधुनिक तकनीकें

अयोध्या, 23 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग में आयोजित डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) कार्यशाला का चौथा दिन ज्ञानवर्धक रहा। बीसीए

विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक यश साहू ने फोटोशॉप के उन्नत फीचर्स, इमेज एडिटिंग, लेयर मैनेजमेंट, कलर करेक्शन एवं डिजाइनिंग टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। लाइव डेमो के माध्यम से पोस्टर एवं बैनर डिजाइन तैयार करने की तकनीकें भी सिखाई गईं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। विभाग के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय आईईटी में प्लेसमेंट ड्राइव, 56 छात्र चयन प्रक्रिया में शामिल

अयोध्या, 22 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के आईईटी संस्थान में "मास इंजीनियर्स" द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस ड्राइव में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के छात्रों ने प्रतिभाग किया। निदेशक प्रो. एस.एस. मिश्र ने बताया कि कंपनी की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार प्रक्रिया में 56 छात्र शामिल हुए। अंतिम

चयन परिणाम शीघ्र घोषित होगा। इस अवसर पर डॉ. वंदिता पांडेय, डॉ. चंदन अरोड़ा, डॉ. मयंक अग्रवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

मृदुला बनीं मिस फेयरवेल, शिवांश बने मिस्टर फेयरवेल

अयोध्या, 17 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग में अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं को विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. संजय चौधरी ने किया। वरिष्ठ छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों एवं कनिष्ठों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भी वरिष्ठों के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मृदुला को "मिस फेयरवेल" तथा शिवांश को "मिस्टर फेयरवेल" चुना

गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा सतत विकास का मजबूत आधारः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह
टीआरसी लॉ कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

बाराबंकी, 13 मार्च, 2026। सतरिख स्थित टीआरसी लॉ कॉलेज में "पारम्परिक ज्ञान एवं सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. जयशंकर प्रसाद पाण्डेय, डॉ. मंजुल त्रिवेदी, शासी निकाय अध्यक्ष डॉ. सुजीत चतुर्वेदी तथा प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

टीआरसी लॉ कॉलेज, सतरिख में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथि।

मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा और समाज एक–दूसरे के पूरक हैं तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली में प्रकृति, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण का संदेश निहित है। मुख्य वक्ता डॉ. मंजुल त्रिवेदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर विचार रखे। डॉ. जयशंकर प्रसाद पाण्डेय ने भारतीय एवं पाश्चात्य ज्ञान प्रणालियों की तुलना करते हुए गुरुकुल परंपरा, तक्षशिला एवं नालंदा विश्वविद्यालयों के योगदान को रेखांकित किया। प्रो. बी.पी. सिंह ने कहा कि शिक्षा मनुष्य में नैतिकता और ईमानदारी का विकास करती है। उद्बोधन से पहले प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार गुप्ता ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. अविनाश मिश्रा, डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ. वीर विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 24 अप्रैल को, 1650 अभ्यर्थी होंगे शामिल

अयोध्या, 21 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय की सीईटी–2024 पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर कुलसचिव कार्यालय सभागार में बैठक

आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि परीक्षा 24 अप्रैल को विश्वविद्यालय के दो केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 37 विषयों के 1650 अभ्यर्थी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के प्रचेता भवन में 14 विषयों के 735 तथा तुलसी भवन में 22 विषयों के 915 अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था एवं उड़ाका दल का गठन किया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।

बैठक में प्रो. अनूप कुमार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ. मोहन तिवारी, डॉ. प्रत्याशा मिश्रा एवं डॉ. प्रतिभा देवी उपस्थित रहीं।

डीटीपी कार्यशाला से विद्यार्थियों को मिला तकनीकी प्रशिक्षण

अयोध्या, 22 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग तथा डॉ. लोहिया इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में "डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी)" विषय पर व्यावसायिक कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल युग में डीटीपी कौशल रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. नरेंद्र कुमार ने डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर एवं डिजिटल मीडिया में करियर संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह सहित विभाग के शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"एक युद्ध नशे के विरुद्ध" अभियान के तहत अवध विश्वविद्यालय में जागरूकता रैली

अयोध्या, 09 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग में उत्तर प्रदेश सरकार के "एक युद्ध नशे के विरुद्ध"अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता रैली निकाली गई। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नोडल अधिकारी प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए इस अभियान को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना आवश्यक है। रैली विभाग से प्रारंभ होकर प्रशासनिक भवन होते हुए प्रशासनिक भवन व वापस विभाग पर संपन्न हुई। इसमें जन. संचार एवं पत्रकारिता विभाग, एमएड विभाग, प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, सिंधी विभाग, समाजशास्त्र विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के छात्रों ने हिस्सा लिया।

छात्रों ने "नशे को छोड़ो, रिश्तों को जोड़ो", "जिंदगी चुनिए, नशा नहीं" तथा "देश का युवा जब जागेगा, नशा दूर तब भागेगा" जैसे नारों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। डॉ. शशि सिंह ने कहा कि नशा व्यक्ति की सेहत और सम्मान दोनों को नुकसान पहुंचाता है। डॉ. नीलम सिंह ने कहा कि नशा एक बीमारी है, जिसे इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन से हराया जा सकता है।

रैली में डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, क्षितिज द्विवेदी, डॉ. शिवांश कुमार, विनीता मोटवानी पटेल, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, शालिनी पांडेय, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. सविता पाठक, डॉ. प्रतीक रंजन त्रिपाठी, विनय कुमार शर्मा, रत्नेश कुमार यादव, कपिल कुमार एवं अमन विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय के 95 प्रतिशत विद्यार्थियों को मिली छात्रवृत्ति

15 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति छात्रों के खातों में पहुंची

अयोध्या, 10 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध

अवध विवि में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की जानकारी देते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक।

विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। विश्वविद्यालय के 95 प्रतिशत विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। कुल 5043 विद्यार्थियों में से 4787 छात्र–छात्राओं के खातों में लगभग 15 करोड़ 14 लाख 67 हजार रुपये की धनराशि भेजी गई है।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने इसे विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय एवं शैक्षिक समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित छात्रहितकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन का समयबद्ध सत्यापन कर उन्हें अग्रसारित किया गया। उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग के 2135, ओबीसी के 1934, अनुसूचित जाति के 429 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 289 विद्यार्थियों को लाभ मिला है। इस उपलब्धि पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र सहित शिक्षकों एवं अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

कड़ी निगरानी में अवध विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

अयोध्या, 24 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के दोनों केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं सचल दल की निगरानी में सकुशल सम्पन्न हुई। 37 विषयों की परीक्षा में 811 परीक्षार्थी शामिल हुए तथा कुल उपस्थिति 85 प्रतिशत दर्ज की गई। शेष अभ्यर्थियों में कुछ ने परीक्षा छोड़ी, जबकि नेट एवं जेआरएफ अभ्यर्थियों को नियमानुसार छूट प्रदान की गई।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने परीक्षा के दौरान तुलसी भवन एवं प्रचेता–दीक्षा भवन का औचक निरीक्षण कर सीटिंग प्लान एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने परीक्षा की पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखने हेतु केंद्राध्यक्षों से लगातार जानकारी ली।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रो. राजीव गौड़, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. विनोद चौधरी, डॉ. राजेश सिंह, दिवाकर त्रिपाठी सहित कई शिक्षक एवं सचल दल के सदस्य उपस्थित रहे।

सिंधी भाषा हमारी सांस्कृतिक जड़ों और सभ्यता की पहचानः प्रो. अनूप कुमार

सिंधी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और विरासत की संवाहकः प्रो. नीलम पाठक

अयोध्या, 16 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय स्थित संत कंवरराम साहिब सिंधी

अवध विश्वविद्यालय में सिंधी भाषा दिवस कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान देते अतिथि एवं उपस्थित शिक्षक–छात्र।

अध्ययन केंद्र में सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अनूप कुमार ने की।

प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि सिंधी संस्कृति एक समृद्ध और प्राचीन विरासत है, जिसकी आत्मा उसकी भाषा में निहित है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान की संवाहक होती है। उन्होंने कहा कि सिंधी भाषा का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से माना जाता है, जो इसे विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में स्थान दिलाता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि सिंधी भाषा अपने भीतर हजारों वर्षों की सभ्यता, व्यापारिक सूझबूझ और सामाजिक संरचना की झलक समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि सूफीवाद, आध्यात्मिकता और सहिष्णुता सिंधी संस्कृति की मूल पहचान है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल ने कहा कि विभाजन के बाद सिंधी समुदाय विश्वभर में फैल गया, लेकिन सिंधी भाषा ने उन्हें उनकी जड़ों से जोड़े रखा। आज सिंधी समाज ने अपने व्यावसायिक कौशल और सांस्कृतिक मूल्यों के बल पर विशिष्ट पहचान बनाई है।

कार्यक्रम का संचालन कपिल कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, रत्नेश यादव, विनय कुमार शर्मा, डॉ. सरिता पाठक, शालिनी पांडेय, डॉ. विनीता पटेल सहित गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगीः कुलपति

अवध विश्वविद्यालय में कुलपति ने विभिन्न अनुभागों का किया औचक निरीक्षण

अयोध्याए 08 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रशासनिक भवन के विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण

अवध विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अनुभागों का निरीक्षण करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी।

कर कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरे किए जाएं।

कुलपति ने लेखा अनुभाग, भंडार, परीक्षा अनुभाग एवं नामांकन विभाग का निरीक्षण कर पत्रावलियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा फाइलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा संबद्धताए गोपनीयए शैक्षणिकए उपाधिए सामान्य प्रशासन,जनसूचना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, एनएसएस अनुभागों का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ल, उपकुलसचिव ए.के .गौतम, राजेश पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शैक्षिक गुणवत्ता और शोध कार्यों को प्राथमिकता दें: कुलपति डॉ. बिजेन्द्र

अवध विश्वविद्यालय में राजभवन के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित

अयोध्या, 24 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में विशेष कार्य अधिकारी कुलाधिपति/राज्यपाल की अध्यक्षता में राज्य विश्वविद्यालयों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। "जन भवन" के साथ संपन्न इस बैठक में दीक्षांत समारोह, नए सत्र में प्रवेश प्रक्रिया, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया, समर्थ पोर्टल के क्रियान्वयन, नैक मूल्यांकन सबमिशन, एनआईआरएफ रैंकिंग तथा विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों को निर्देशित किया कि राजभवन द्वारा अपेक्षित सभी शैक्षिक एवं प्रशासनिक तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापरक शोध कार्यों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। साथ ही छात्रों के शैक्षणिक हितों से जुड़ी योजनाओं एवं डिजिटल व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर बल दिया।

अवध विश्वविद्यालय में जनभवन के साथ आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मौजूद कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी।

कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. एस.के. रायजादा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रोग्रामर रवि मालवीय, इंजीनियर शिवेन्द्र त्रिपाठी सहित अनेक अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

एचसीएल टेक में कंप्यूटर साइंस छात्रों का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण

अयोध्या, 25 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड

टेक्नोलॉजी (आईईटी) के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के छात्र–छात्राओं का औद्योगिक भ्रमण लखनऊ स्थित एचसीएल टेक्नोलॉजीज में कराया गया। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को आईटी उद्योग की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था।

एचसीएल टेक परिसर में छात्रों को सॉफ्टवेयर विकास, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्र में छात्रों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए तथा इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रमाणपत्र भी हासिल किए। इस भ्रमण में बीटेक कंप्यूटर साइंस के 60 छात्र–छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष कुमार पांडेय, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. अवधेश दीक्षित एवं निधि प्रसाद रहे।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में अवध विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अयोध्या, 02 अप्रैल, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित नेचर इंडेक्स रैंकिंग–2026 में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष भारत के 519 उच्च शिक्षण संस्थानों में विश्वविद्यालय ने 123वां स्थान प्राप्त किया है, जबकि फिजिकल साइंस श्रेणी में 252 संस्थानों के बीच 71वां स्थान प्राप्त किया।

उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में अवध विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान तथा राज्य एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. सीके मिश्र, डॉ. पीके द्विवेदी एवं शोध छात्र सचिन कुमार के शोध पत्र के आधार परमिली है, जो यूरोपियन फिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ था।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह सहित कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

अवध विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रयागराज में किया शैक्षिक अध्ययन भ्रमण

अयोध्या, 06 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के छात्र–छात्राओं ने कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में प्रयागराज के ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण किया। इसमें इलाहाबाद किला, अशोक स्तंभ, प्रयाग प्रशस्ति, अक्षयवट वाटिका, सरस्वती कूप, आजाद पार्क, इलाहाबाद संग्रहालय एवं आनंद भवन शामिल रहे।

विभागाध्यक्ष डॉ. संजय चौधरी ने बताया कि अशोक स्तंभ पर मौर्यकाल से लेकर मुगलकाल तक के ऐतिहासिक लेख अंकित हैं। छात्र–छात्राओं को संग्रहालय में चंद्रशेखर आजाद की पिस्टल की प्रतिकृति दिखाई गई, जिससे उनमें

देशभक्ति की भावना और प्रबल हुई। डॉ. नेहा श्रीवास्तव एवं शोध छात्रों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा।

पीसीएस चयनित आदित्य प्रकाश का केंद्र में हुआ अभिनंदन

अयोध्या, 06 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय के सरदार पटेल राष्ट्रीय एकात्मकता केंद्र में पीसीएस में चयनित छात्र आदित्य प्रकाश का अभिनंदन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि दृढ़ता, लगन और आत्मविश्वास से सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस

अवसर पर प्रो. सुरेंद्र मिश्र डॉ. शिवांश कुमार, डॉ. अंकित मिश्र, सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"कोविदार"

01 अप्रैल–30 अप्रैल, 2026, वैशाख कृष्ण–त्रयोदशी विक्रम संवत्–2083

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 3 अप्रैल 2026। मिशन शक्ति–05 के अंतर्गत छात्रावास में पीसीओडी एवं मासिक धर्म स्वास्थ्य पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित हुआ, जिसमें डॉ. दीपशिखा चौधरी ने जीवनशैली सुधार पर जोर दिया।
- अयोध्या, 4 अप्रैल 2026। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत अहिल्याबाई होल्कर गर्ल्स हॉस्टल में व्याख्यान हुआ, जिसमें डॉ. स्वाति सिंह ने उनके सांस्कृतिक योगदान और भारतीय धरोहर संरक्षण पर प्रकाश डाला।
- अयोध्या, 7 अप्रैल 2026। अवध विश्वविद्यालय में "एक युद्ध नशे के विरुद्ध" कार्यक्रम के तहत व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें नशा मुक्त समाज निर्माण पर जागरूकता का संदेश दिया गया।
- अयोध्या, 30 अप्रैल 2026। अवध विश्वविद्यालय में सतत पर्यावरण प्रबंधन पर एफडीपी के पंचम दिवस में डॉ. आशुतोष कुमार पांडेय ने नीति ढांचे और पर्यावरण–अनुकूल पारंपरिक प्रथाओं पर व्याख्यान दिया।

अवध विश्वविद्यालय कराटे टीम के 9 खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए क्वालीफाई किया

अयोध्या, 07 अप्रैल, 2026। अवध विश्वविद्यालय की कराटे पुरुष टीम के 9 खिलाड़ियों ने असम के डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी कराटे चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कराटे चौंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

व्यक्तिगत स्पर्धा में आदित्य रावत (50 किग्रा), चंदन कुमार (55 किग्रा), विपुल शर्मा (67 किग्रा), नित्यानंद पासवान (84 किग्रा) तथा काटा स्पर्धा में कमलेश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम कुमिते में चंदन कुमार, आशीष कुमार, विपुल शर्मा, विवेक, अभय सिंह एवं मोहम्मद अयान खान ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की खेल प्रतिभा का प्रमाण है। कोच रवि शंकर एवं मैनेजर कीर्ति द्विवेदी के मार्गदर्शन में टीम ने यह सफलता अर्जित की।

अवध विश्वविद्यालय कराटे टीम नॉर्थ ईस्ट जोन चौंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए क्वालीफाई करने के बाद टीम सदस्यों के साथ खुशी व्यक्त करते हुए।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आशीष प्रताप सिंह, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रो. संग्राम सिंह, राना रोहित सिंह, प्रो. विनय कुमार सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पांडेय, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. वेद प्रकाश वेदी, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. कपिल कुमार राणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

"विशाखा गाइडलाइन पर मिशन शक्ति 5.0 व्याख्यान का आयोजन"

अयोध्या, 8 अप्रैल 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के एमएड विभाग में "मिशन शक्ति–फेस 5" के अंतर्गत यौन उत्पीड़न एवं अवांछनीय व्यवहारों के प्रति जागरूकता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता डॉ. मृदुला राय ने विशाखा गाइडलाइन (विशाखा बनाम राजस्थान सरकार, 1997), पोश एक्ट 2013 तथा आईपीसी की संबंधित धाराओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कानून कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने अवांछनीय व्यवहारों की पहचान एवं उनसे बचाव के उपाय भी बताए। मिशन शक्ति समन्वयक डॉ. गीतिका श्रीवास्तव एवं प्रो. अनूप कुमार ने महिला सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ. शशि सिंह सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विवि में "मिशन शक्ति 5.0: साइबर सुरक्षा पर जागरूकता"

अयोध्या, 8 अप्रैल 2026। अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर तुलसी भवन में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत "साइबर अपराध और महिला सुरक्षा" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि साइबर क्राइम विशेषज्ञ मो. अरशद ने साइबर ठगी, ब्लैकमेलिंग एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताते हुए विद्यार्थियों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लालच साइबर अपराध का प्रमुख कारण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वंदिता पांडेय ने की।संचालन डॉ. स्वाति सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीषा यादव ने किया। इस अवसर पर अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

"हरित संकल्प से गूंजा अवध विश्वविद्यालय: पृथ्वी दिवस 2026 पर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' का संदेश"

अयोध्या, 22 अप्रैल 2026। अवध विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस 2026 कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में उत्साहपूर्वक मनाया गया। पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा इंडियन जियोफिजिकल यूनियन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम की थीम "आवर पावर, आवर प्लेनेट" रही। विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी एवं डॉ. शशि कांत साह के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में मानव श्रृंखला, जागरूकता रैली, वृक्षारोपण तथा चित्रकला एवं कविता प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। इस अवसर पर प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, डॉ. ई. महिमा चौरसिया, डॉ. शाजिया, डॉ. अरविंद, डॉ. प्रवीण चन्द्र सिंह, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. रुद्र प्रताप सिंह, डॉ. अमित सिंह, डॉ. जैनेंद्र, विपिन पटेल एवं बृजेश उपस्थित रहे। मौके पर छात्र–छात्राएँ एवं शोधार्थी शामिल हुए।

धरोहर संरक्षण ही हमारी सांस्कृतिक पहचान: प्रो. आर. एन. राय

अयोध्या, 18 अप्रैल 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा विश्व धरोहर दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. आर. एन. राय ने कहा कि विश्व धरोहर हमारी पहचान और इतिहास का अमूल्य हिस्सा है, जिसका संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अयोध्या की धरोहर स्थलों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया। विशिष्ट वक्ता प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने धरोहरों के आर्थिक व पर्यटन महत्व पर चर्चा की। अध्यक्षता प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने की। संयोजक डॉ. महेन्द्र पाल सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।